इन्क़िलाबी नज़र
आवाज़ ... आम आदमी की
लखनऊ, शनिवार, 1 मार्च 2025

मेरे मन में कोई संदेह नहीं है कि हमारे देश की प्रमुख समस्याएं गरीबी, अशिक्षा, बीमारी, कुशल उत्पादन एवं वितरण सिर्फ समाजवादी तरीके से ही की जा सकती है।
-सुभाष चन्द्र बोस

वर्ष 17 अंक 177 मूल्य 4-00 रूपया पृष्ठ- 12

तापमान - अधिकतम 30.5°C (+2.4) न्यूनतम 18.2°C(+5.4) सेंसेक्स 73,198.10 (-1414.33) निफ्टी 22,124.70 (-420.35) सोना 86,990 चांदी 98,000 मुद्रा - डालर 87.40 दिरहम 23.80 रियाल 22.30



# एरा यूनिवर्सिटी के ऑप्टोमेट्री विभाग ने आयोजित की सीएमई वर्कशाप

- ऑप्टोमेट्री के छात्रों व पेशेवरों को 'एआई आधारित विजन थेरेपी' सिखाना था सीएमई का उद्देश्य
- ऑप्टोमेट्री में नवीनतम विकास के साथ अपडेट रहें छात्र

**लखनऊ (ब्यूरो)।** एरा यूनिवर्सिटी के ऑप्टोमेट्री विभाग ने शुक्रवार को एक दिवसीय सीएमई कार्यशाला आयोजित की गई जिसका उद्देश्य ऑप्टोमेट्री के छात्रों और पेशेवरों को 'एआई-आधारित विजन थेरेपी' सीखने का अवसर प्रदान करना था, जिसमें विजन थेरेपी में एआई तकनीक के संभावित अनुप्रयोगों और लाभों के बारे में गहन जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम की शुरुआत एरा यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. डॉ. अब्बास अली महदी के स्वागत भाषण से हुई जहां उन्होंने इस क्षेत्र में हाल की प्रगति पर चर्चा की और छात्रों को ऑप्टोमेट्री में नवीनतम विकास के साथ अपडेट रहने के लिए प्रोत्साहित किया। एरा यूनिवर्सिटी के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के डीन प्रो. डॉ. सैयद रियाज मेहदी ने अपने संबोधन में एआई-आधारित विजन थेरेपी के संभावित लाभों पर प्रकाश डाला और विभिन्न दृष्टि-संबंधी समस्याओं के समाधान में इसकी भूमिका पर जोर दिया। डॉ. पुनीत, सह-संस्थापक और सीईओ, क्योर्सी और ऑप्टोमेट्रिस्ट मृदुल सिंह, विजन थेरेपी कंसल्टेंट को विजन थेरेपी के क्षेत्र में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए सम्मानित किया गया। उन्होंने एआई विजन थेरेपी पर एक प्रेजेंटेशन दिया जिसमें बताया गया कि कैसे एआई तकनीक का दृष्टि सुधार के लिए प्रभावी रूप से उपयोग किया जा सकता है। ऑप्टोमेट्रिस्ट अभिनव मिश्रा ने आधुनिक जीवनशैली में विजन थेरेपी की भूमिका पर एक व्यावहारिक चर्चा का नेतृत्व किया जिसमें आज की दुनिया में इसके महत्व पर विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम में 200 से अधिक छात्रों के साथ-साथ एरा विश्वविद्यालय की रजिस्ट्रार डॉ. अनु चंद्रा, नेत्र रोग विभाग की प्रमुख डॉ. लक्ष्मी सिंह, ऑप्टोमेट्री विभाग के प्रमुख सुनील कुमार गुप्ता और ऑप्टोमेट्री के कई अन्य संकाय, डॉ. रागिनी मिश्रा, श्रीमती नम्रता श्रीवास्तव, जमशेद अली, सलाल खान, सुश्री रजिया बानो, श्रीमती मलिका अब्बास ने भाग लिया।